फरवरी 2019

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28			
1.अमृतवेले योग कैसा रहा? उत्तम, मध्यम, साधारण?																															
2.ड्रामा के हर सीन को साक्षी होकर देखा?																															
3.देही-अभिमानी स्थिति में रहने का अभ्यास किया?																															
4.विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैलाने की सेवा की?																															
5.रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

ट्रॉफिक कन्ट्रोल पर और चलते-फिरते विशेष अभ्यास :-
मुझ परम पवित्र आत्मा से
सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं..।

विशेष स्वमानयुक्त योगाभ्यास..

01 से 05 तक - मैं निराकार आत्मा चारों ओर परमात्म शक्तियों की किरणें बिखेर रही हूं।

06 से 10 तक - मैं देह से न्यारी परमधाम निवासी परम पवित्र आत्मा हूं।

11 से 15 तक - मैं बीजरूप शिव पिता से कम्बाइंड मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।

16 से 20 तक - मैं शरीर से अलग सम्पूर्ण निर्विकारी, न्यारी-प्यारी आत्मा हूं।

21 से 25 तक - मैं पुरानी दुनिया में कुछ दिनों की मेहमान वा महान आत्मा हूं।

26 से 28 तक - मैं आत्मा चैतन्य लाइट हाउस, माइट हाउस हूं।

हर समय स्मृति रहे.....।

हमें हमारा घर परमधाम पुकार रहा है....।

हमें अव्यक्त वतन से बापदादा पुकार रहे हैं....।

हमें हमारी सम्पूर्णता पुकार रही है....।

हमें हमारी कर्मातीत अवस्था पुकार रही है....।

हमें हमारी स्वर्ग की सीट पुकार रही है....।

हम ईष्टदेव-देवियों को भक्त पुकार रहे हैं....।

हमें दु:खी, अशान्त आत्मायें पुकार रही हैं....।

हमें भटकती, तड़फती आत्मायें पुकार रही हैं....।

हमें प्रकृति के पांचों तत्व पुकार रहे हैं....।

हमें हमारे अधूरे पड़े कर्त्तव्य पुकार रहे हैं....।

ओम् शान्ति